



CHARMINAR®
PAINT BRUSH
Cell : 9440297101

वर्ष-28 अंक : 92 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टनम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ़ शु.2 2080 मंगलवार, 20 जून 2023

वियतनाम को मिसाइल युद्धपोत देगा भारत

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने की घोषणा



नई दिल्ली, 19 जून (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत और वियतनाम के बीच रक्षा सहयोग के बढ़ावा देने के लिए सोमवार को वियतनामी समकक्ष जनरल फॉन वान गियांग के साथ राजधानी दिल्ली में द्विक्षेत्रीय वार्ता के लिए मुलाकात की।

गियांग 18 से 19 जून तक भारत दौरे पर हैं। अपने दौरे के पहले दिन उन्होंने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी एक विज्ञापि में दोनों देशों के संबंध को एक महत्वपूर्ण स्तंभ बताया गया है। इस विद्यालय के अनुसार, दोनों देशों के बीच रक्षा, सैन्य, उच्च स्तरीय यात्राएं, प्रशिक्षण कार्यक्रम, संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना और द्विक्षेत्रीय सेवाओं के बीच रक्षा मंत्रालय के उपायक्षम संपर्क शामिल है। इससे पहले 19 जून 2022 में राजनाथ सिंह ने वियतनाम का दौरा किया था। वहां दोनों देशों के लिए देशों के संबंध को एक महत्वपूर्ण स्तंभ बताया गया है।

रथ यात्रा में भाई-बहन संग भगवान जाते हैं मौसी के घर

आज निकलेगी दो रथ यात्रा, भगवान जगन्नाथ भक्तों को देंगे दर्शन



आषाढ़ महीने के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि से उड़ीसा के पूरी में स्थित जगन्नाथ रथ यात्रा निकाली जाती है। इस पूरे 10 दिनों के उत्सव को काफी धूमधाम से मनाया जाता है। जबकि, इस साल जगन्नाथ रथ यात्रा 20 जून 2023 को निकाली जाएगी, जिसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। धार्मिक मान्यता है कि भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में शामिल होने वाले भक्तों को सभी तीर्थों के फल मिलते हैं। आइए भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के बारे में जानते हैं।

दरअसल, सनातन धर्म में भगवान जगन्नाथ को भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। जिनके नाम का अर्थ पूरे जात के नाथ या फिर कहें ब्रह्मांड का स्वामी होता है दुनिया भर में प्रसिद्ध भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा जिस शहर में हर साल निकलती है, उसे श्रीजगन्नाथ पुरी के नाम से भी जाना जाता है (रथयात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की प्रतिमाओं को रथ में बैठाकर नगर भ्रमण कराया जाता है)।

रथ यात्रा में भाई-बहन संग भगवान जाते हैं मौसी के घर धार्मिक मान्यता के अनुसार जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान रथ पर सवार होकर भगवान जगन्नाथ मौसी के घर गुंडीचा जाते हैं। गुंडीचा मंदिर को भगवान जगन्नाथ की मौसी का घर माना गया है। जिसमें भगवान जगन्नाथ अपनी बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र के साथ भ्रमण के लिए जाते हैं। जोकि एक हफ्ते तक वहीं ठहरते हैं। जहां पर उनका काफी आदर-संकर होता है।

माना जाता है कि मौसी के घर पर भाई बहन संग भगवान खबर पकवान खाते हैं, जिसके बाद वे करीब 15 दिन के लिए बीमार भी पड़ जाते हैं। इसके बाद वे अज्ञातवास में चले जाते हैं। भगवान के स्वरूप होने के बाद ही भक्तों को दर्शन देते हैं। इसके बाद जगन्नाथ रथ यात्रा निकाली जाती है।

रथ यात्रा पर्व का क्या है धार्मिक महत्व?

कथा पुराणों के अनुसार, माना जाता है कि भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में शामिल होने से साधकों को 100 यज्ञों के बाबर पुण्य का फल मिलता है। इसके कारण ही दुनिया भर से लोग अपनी और अपने परिवार की खुशहाली और मनोकमना के लिए इस रथयात्रा में शामिल होने के लिए पहुंचते हैं जिसके द्वारा यात्रा के अलावा देश के दूसरे भाग में भी इस यात्रा को धूम-धाम से मनाया जाता है।



- पुरी रथयात्रा के लिए बलराम, श्रीकृष्ण और देवी सुभद्रा के लिए तीन अलग—अलग रथ निर्मित किए जाते हैं। रथयात्रा में सभी से आगे बलरामजी का रथ, उसके बाद बीच में देवी सुभद्रा का रथ और सभी पीछे भगवान जगन्नाथ श्रीकृष्ण का रथ होता है। इसे उनके रंग और ऊँचाई से पहचाना जाता है।
- बलरामजी के रथ को 'तालध्वज' कहते हैं, जिसका रंग लाल और हरा होता है। देवी सुभद्रा के रथ को 'दर्पदलन' या 'पद्म रथ' कहा जाता है, जो काले या नीले और लाल रंग का होता है, जबकि भगवान जगन्नाथ के रथ को 'नंदीघोष' या 'गरुड़ध्वज' कहते हैं। इसका रंग लाल और पीला होता है।
- भगवान जगन्नाथ का नंदीघोष रथ 45.6 फीट ऊँचा, बलरामजी का तालध्वज रथ 45 फीट ऊँचा और देवी सुभद्रा का दर्पदलन रथ 44.6 फीट ऊँचा होता है।
- सभी रथ नीम की पवित्र और परिवर्क काष्ठ (लकड़ियों) से बनाए जाते हैं, जिसे 'दास' कहते हैं। इसके लिए नीम के स्वच्छ और शुभ ऐड की पहचान की जाती है, जिसके लिए जगन्नाथ मंदिर एक खास समिति का गठन करती है।
- अन्य रथों के निर्माण में किसी भी प्रकार के कील या कांटे या अन्य पार्टी धातु का प्रयोग नहीं होता है। रथों के लिए काष्ठ का चयन बसंत पंचमी के दिन से शुरू होता है और उनका निर्माण अक्षय तृतीया से प्रारम्भ होता है।
- जब तीनों रथ तैयार हो जाते हैं, तब 'छर्पनारा' नामक अनुष्ठान संपन्न किया जाता है। इसके तहत पूरी के गजपति राजा पालकी में यहां आते हैं और इन तीनों रथों की विधिवत पूजा करते हैं और 'सोने की झाड़ी' से रथ मण्डप और रास्ते को साफ करते हैं।
- आषाढ़ माह की शुक्लपक्ष की द्वितीया तिथि को रथयात्रा आरम्भ होती है। ढोल, नगाड़ी, तुरही और शंखध्वनि के बीच भक्तगण इन रथों को खींचते हैं। कहते हैं, जिन्हें रथ को खींचने का अवसर प्राप्त होता है, वह महाभाग्यवान माना जाता है।
- जगन्नाथ मंदिर से रथयात्रा शुरू होकर पुरी नगर से गुजरते हुए ये रथ गुंडीचा मंदिर पहुंचते हैं। यहां भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा सात दिनों के लिए विश्राम करते हैं। गुंडीचा मंदिर में भगवान जगन्नाथ के दर्शन को 'आडप-दर्शन' कहा जाता है।
- गुंडीचा मंदिर को 'गुंडीचा बाड़ी' भी कहते हैं। इस मंदिर के बारे में पौराणिक मान्यता है कि यहां पर देवशिल्पी विश्वकर्मा ने भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी की प्रतिमाओं का निर्माण किया था।
- आषाढ़ माह के दसवें दिन सभी रथ पुनः मुच्छ मंदिर की ओर प्रस्थान करते हैं। रथों की वापसी की इस यात्रा की रस्म को बहुड़ा यात्रा कहते हैं।

महामहिम आचार्य महाप्रज्ञ



यद्यपि वे एक धर्मसंघ के आचार्य बने पर उनका चिन्ह संदेव ही। असाम्प्रदायिक व्यवस्था मानते थे। उनके कार्य जैन शासन की सेवा के सदर्भ में थे। इसी बात को सामने रखकर सदा अपने प्रवक्तनों में सार्वभौम और सार्वजनीन हितोपदेश के साथ करते थे। यहां तक जीवन में नवमें दसरामें उन्होंने अहिंसा यात्रा की। सर्वत्रै मैत्री की प्रबल भावना से उन्होंने पंचवर्षीय यात्रा के दौरान जन-जन को नैतिकता, सद्व्यवहार और भाईचारे का संदेश दिया। जातिवाद, प्रांतवाद, सम्प्रदायवाद व्यक्ति और समाज में अलावा पैदा करता है। अतः इसे की महत्व नहीं दिया। अतः भारत की महान हस्तियां उन्हें चरणों में आकर मार्ग नहीं दिया। जब सूरत में आचार्य महाप्रज्ञ चारुमास



आकर मार्गशीन प्रातः करती रही थी जिसे राजनेता, समाजनेता, धर्मगुरु आदि किसी संस्था या संघ से जुड़े हुए क्यों नहीं थे। एक बार राष्ट्रपति अब्दुल कलाम उनके चरणों में आए तो महाप्रज्ञ ने एक ऐसी बात कही कि महाप्रज्ञ के फैन हो गए। महाप्रज्ञ ने कहा कलाम साहब आपने अनेक मिसाईंडें बनाई हैं किंतु अब शान्ति की मिसाईंडेल बनाई। इस बात से वे इतने प्रावित हुए कि प्रतिवर्ष महाप्रज्ञ के चरणों में आने लगे गए। जब सूरत में आचार्य महाप्रज्ञ चारुमास

पतियों जहरीली होती है इसलिए बच्चों की पूँछ से इसे रुक्ख रखने का सावधानी बरतें। स्नेक प्लांट लगाने के फायदे: यह घर की हावा को शुद्ध करता है और आंकिसजन के लेवल को बढ़ाता है। इससे घर में सुख और शान्ति का योगम होती है जिससे धन समृद्ध के मार्ग खुल जाते हैं। स्नेक प्लांट लगाने से व्यक्ति के घर की कई चीजों पर भूक्त होती है। स्नेक प्लांट कैंसर पैदा करने वाले प्रदूषकों को हवा से कम करता है। पौधे की पतियों का उपयोग घाव, जलन व सूजन पर किया जा सकता है।

गुप्त नवरात्रि में 9 दिनों की पूजा के लिए एक स्नेक प्लांट है जिसे संस्कृत वाक्याद्यावशिष्यते। यह घर की हावा को शुद्ध करता है और आंकिसजन के लेवल को बढ़ाता है। इससे घर में सुख और शान्ति का योगम होती है जिससे धन समृद्ध के मार्ग खुल जाते हैं। स्नेक प्लांट लगाने से बुक्तकाम मिलता है। स्नेक प्लांट कैंसर पैदा करने वाले प्रदूषकों को हवा से कम करता है। पौधे की पतियों का उपयोग घाव, जलन व सूजन पर किया जा सकता है।

गुप्त नवरात्रि में मनचाहा वरदान पाने के लिए ऐसे करें देवी दुर्गा के 9 रूपों की पूजा

आषाढ़ महीने की गुप्त नवरात्रि 19 जून से शुरू हो गई है। इस दौरान देवी के 9 रूपों की पूजा परे धूमधाम से की जाएगी। गुप्त नवरात्रि की शुरूआत हर साल आषाढ़ महीने में शुक्ल पक्ष की प्रतिपादा तिथि से ही होती है। इस साल गुप्त नवरात्रि 19 जून से शुरू होकर 28 जून तक चलेगी। आषाढ़ महीने में पड़ने वाली गुप्त नवरात्रि देवी दुर्गा के 9 रूपों की पूजा के लिए काफी शुभ मूल्य की आशीर्वाद मिलता है। मान्यता है कि गुप्त नवरात्रि में माता की पूजा भी गुप्त रूप से ही करनी चाहिए। इस दौरान देवी की महिमा मंडन नहीं करता चाहिए। गुप्त नवरात्रि में गुप्त रूप से कोई गुप्त पूजा ही शुभ फलदायी होती है।



नहीं खाना चाहिए। इसमें लहसुन, प्याज, मास-मदिरा, जैसी चोज शामिल हैं। इन दिनों में गरीबों और जस्तरमंदों को भोजन और वस्त्र दान में दें। गुप्त नवरात्रि में पौत्र-पत्नी की ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। मन में किसी के प्रति बुरे ख्याल न आने दें। माता प्राप्ति द्वारा ख्याल न करें। इस दौरान पूजा की किसी भी सामग्री को हाथ नहीं लगाना चाहिए। गुप्त नवरात्रि में ब्रत रखना भी बहुत ही शुभ फलदायी माना जाता है। जिन लोगों ने ब्रत रखा है उनको देव तक सोना नहीं चाहिए और ना ही बाल और नाखून कटवाने चाहिए। इस तह परे नियम से पूजा-पाठ करने से माता प्राप्ति होकर सुख और सौभाग

बलिया में 54 मौतों पर सीएम की हाईलेवल बैठक

कहा- पानी की कमी ना हो, सभी को मिले इलाज, हर स्तर पर अलर्ट रहें अफसर

लखनऊ, 19 जून (एजेंसियां)। यूपी में भीषण गर्मी-हाईटवेव को लेकर सीएम ने कहा- अफसर हर स्तर पर अलर्ट रहें। गर्मी के कारण कहीं भी पानी के पानी की कमी नहीं रहनी चाहिए। जगह-जगह पीने के पानी की व्यवस्था की जाए। हर केंद्रीय और लोकतालों के अलर्ट रखने की कहा है।

सीएम ने कहा, रोजाना राहत आयुक्त कार्यालय के स्तर पर प्रौद्योगिकी समाज के लिए लोगों को जागरूक किया जाए। ल. के लक्षणों और उसके बचाव के लिए लोगों को जागरूक किया जाए। सीसोनों के अलर्ट रखने की कहा है।

टीम ने कहा- जांच रिपोर्ट देखकर कुछ स्पष्ट कर सकेंगे बलिया में जांच के लिए निर्देशक स्वास्थ्य डॉ. एक सिंह,



के निर्देश दिए हैं।

देवरिया में मौते वालों में ज्यादातर बुजुर्ग

देवरिया में डिकल कॉलेज से मिली जानकारी के अनुसार, कई लोगों ने अस्पताल में दम तोड़ा है।

इसमें एक बीजेपी नेता का बेटा भी शामिल है। वहाँ के डॉक्टरों का कहना है कि मरने वालों में तेज बुखार, बहोर्णी, सास लेने में रुक्कित, बदनामी में जांच दल के रिपोर्ट का इंतजार है।

इसकी भी जांच की जा रही है।

इसकी भी जांच की जा रही है। अन्य तत्व पते नहीं रखते। अन्य व्यवस्था की जांच की जाए। जिस कारण लोगों को अचानक मौते होने लगती है। वहाँ लखनऊ की टीम ने खून और यूरिन की जांच के लिए अलर्ट रखने की जाए।

यूपी में अलर्ट जारी इस बीच भीषण गर्मी के बीच

लोगों की मौत पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने प्रदेश के सभी अस्पतालों को अलर्ट कर दिया है। लू, डायरिया समेत संक्रामक बीमारियों को लेकर खास सतर्कता के निर्देश दिए हैं।

डिप्टी सीएम ने प्रदेश के सभी सीएमएम व सीएमओ को रिवावर को निर्देश दिया कि अस्पतालों में बेड से लेकर घावों तक के लागताम किए जाएं।

लखनऊ में लगातार बढ़ रहे मरीज

भीषण गर्मी व लू ने लोगों को बेहाल कर रखा है। अस्पतालों में हीट स्ट्रोक से ग्रस्त के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है।

उन्हें पेट दर्द रखें पूर्व में जारी गाइडलाइन का सख्ती से पालन ही डॉक्टर व स्वास्थ्य कर्मी इयूटी पर मूर्तैद रहे और एक-एक मरीज का कहना है कि हीट स्ट्रोक से ग्रस्त काफी मरीज इमरजेंसी में भर्ती हो रहे हैं।

सरकारी अस्पतालों की इमरजेंसी व्यवस्था दुरुस्त रखें। वार्ड में लू व अन्य बीमारियों से पीड़ितों के लिए बेड आसाक्षित रखें।

अस्पताल सुधारे और अस्पताल में बिजली की शिकायत है।

एक-दो दिन भर्ती रखने के बाद उन्हें दिल्लीज दिया जा रहा है। राहत की बात यह है कि अभी तक गर्मी से किसी मरीज के मौत नहीं हुई है।

अस्पताल प्रभारियों का कहना है कि हीट स्ट्रोक से ग्रस्त काफी मरीज इमरजेंसी में भर्ती हो रहे हैं।

सरकारी अस्पतालों को एजाम्प्ल दिया। उन्होंने कहा, "यूपी में जनता बिजली की कमी से जूझ रही है। सरकार बिजली का अन्य व्यवस्था सुधारे और अस्पताल में बिजली कर्तौती न करे।"

बसपा प्रमुख ने एनडीए को हराएगा'

दरअसल, बीते दिन एक चैनल

मायावती बोलीं- यूपी में बिजली कटौती से लोग परेशान

सपा के लिए पीड़ीए का मतलब 'परिवार दल एलाइंस', इनके लिए तुकबंदी के सिवा और कुछ नहीं

में महागाई, बेरोजगारी, गर्भावान आसानी विलाना बड़ा मुद्दा होगा। गरीब, किसान, नौजवान भाजपा के खिलाफ बोल करेगा। अखिलेश के बयान का मायावती ने पलटवार किया है। अब आगे पढ़िए बसपा प्रमुख के दो ट्रैवर

लखनऊ, 19 जून (एजेंसियां)। यूपी में भीषण गर्मी के बीच बिजली कटौती पर सियासत शुरू हो गई है। लखनऊ में सोमवार को मायावती ने कहा, "यूपी में जनता बिजली की कमी से जूझ रही है। राहत की बात यह है कि अभी तक गर्मी से किसी मरीज के मौत नहीं हुई है।

सरकार बिजली की शिकायत है। एक-दो दिन भर्ती रखने के बाद उन्हें दिल्लीज दिया जाएगा।

मायावती ने यूपी में विजली कटौती की पराधीना साधा है। उन्होंने कहा, "यूपी में एक बीच विजली के बीच विजली कटौती की समस्या सोमवार अस्पतालों के बीच विजली कटौती की शिकायत है।

सरकारी अस्पतालों को एजाम्प्ल दिया। उन्होंने कहा, "यूपी में लू व अन्य बीमारियों से पीड़ितों के लिए बेड आसाक्षित रखें।

इसके लिए स्वास्थ्य विभाग में निर्देशक संचारी रोग डॉ. एक सिंह और निर्देशक डॉ. उल्ली-दस्त की शिकायत लेकर आ रहे हैं।

'2024 में पीड़ीए गठनोंडी

कांग्रेस छोड़ कुंतल कृष्ण बीजेपी में शामिल

नीतीश के नेतृत्व पर उठाए थे सवाल, समाट बोले-कठपुतली हैं सीएम

पटना, 19 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व पर सवाल उठाने वाले कुंतल कृष्ण ने सोमवार को बीजेपी का दामन थाथ लिया। शनिवार को उन्होंने काग्रेस की सदस्यता से इस्तीफा दिया था। साथ ही सवाल किया था कि सिवानी नीतीश कुमार ने बिहारा के बीजेपी के कामकाज किया, वे विश्वकी एकता की बैठक को अग्रवाई क्यों कर रहे हैं?

अब कुंतल बीजेपी के साथ हैं। पटना में पाटी आर्किस में कायरकर्ता मिलाराह के दैरान कुंतल कृष्ण को बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मिलपुतली के माफिक सीएम रह गए हैं। बिहार की आवाम बदलाव चाहती है। इससे लोग उत्तिष्ठ आ जाएं।

2025 में बीजेपी की सरकार बनेगी। बीजेपी ने नीतीश कुमार को उन्होंने देखा कि प्रधारणी नीतीश कुमार के बीजेपी के कामकाज किया था। उन्होंने काग्रेस की सदस्यता पर अर्थ 'परिवार दल एलाइंस' है। जिससे स्वार्थ में यह पार्टी सीमित है। इसलिए इन वर्गों के लोग जरूर सावधान रहें।

नीतीश कुमार कठपुतली 2025 में बीजेपी की सरकार बनेगी। बीजेपी ने नीतीश कुमार को 5 बार सीएम बनाया है। 2025 में बीजेपी की खुद का सीएम होगा।

राहुल गांधी के बिहार आने पर कहा कि सीएम नीतीश कुमार को उन्होंने के साथ लूप दर्शाया है। 2005 से 2013 तक बिहार में सरकार चौधरी ने काग्रेस के विरोधी आज एक-दो दिन उठाने के बाद बिहार के बीजेपी के कामकाज किया था।

समाजवादी अंदोलन के प्रतीक नेता आज काग्रेस के साथ हैं। महाराजठंडा विजय नहीं है। लेकिन हवा का दबाव नहीं बनने पर बादल बिना बरसे लौट भी सकते हैं।

नीतीश कुमार कठपुतली के बाद बिहारी एकता की बैठक को अग्रवाई क्यों कर रहे हैं?

अब कुंतल बीजेपी के साथ हैं। आने पर कहा कि सीएम नीतीश कुमार सरकार को 5 बार सीएम बनाया है। 2025 में बीजेपी की खुद का सीएम होगा।

समाजवादी अंदोलन के प्रतीक नेता आज काग्रेस के साथ हैं। महाराजठंडा विजय 2024 में जड़ीय आधी होगी और विधानसभा 2025 में पूरी तरह से साफ होगी।

केवल बीजेपी में बीजेपी के कामकाज की पराधीना के बीच विजली कटौती की समस्या दुरुस्त करना चाहिए। लखनऊ में नीतीश कुमार के बीच विजली कटौती की समस्या दुरुस्त करना चाहिए।

गौतमबुद्ध नगर कमिशनरेट में तैनात रवि शंकर छावि को लखनऊ कमिशनरेट में तैनात किया गया है। लखनऊ पुलिस उपमहानीरीकरण बद्धावार में तैनात बबूल कुमार को गौतमबुद्ध नगर कमिशनरेट भेजा गया है।

गौतमबुद्ध नगर कमिशनरेट में सुनीति को पुलिस उपयुक्त के पद पर तैनात किया गया है। वहीं, प्रयागराज अपर पुलिस आईएस अधिकारियों का द्रांसफर किए गए हैं। चार जिलों में तैनात पुलिस अधिकारी ने अपने नाम लिया है।

लखनऊ में नीतीश कुमार को नीतीश बोला जाएगा। नीतीश कुमार को नीतीश बोला जाएगा। नीतीश कुमार को नीतीश बोला जाएगा। नीतीश कुमार को नीतीश बोला जाएगा।

लखनऊ में नीतीश कुमार को नीतीश बोला जाएगा। नीतीश कुमार को नीतीश बोला जाएगा। नीतीश कुमार को नीतीश बोला जाएगा। नीतीश कुमार को नीतीश बोला जाएगा।

लखनऊ में नीतीश कुमार को नीतीश बोला जाएगा। नीतीश कुमार को नीतीश बोला जाएगा।

लखनऊ में नीतीश कुमार को नीतीश बोला ज



अडानी की इस डील से आईआरसीटीसी को मिलेगी टक्कर? इन आरोपों में कितना है दम

नई दिल्ली, 19 जून (एजेंसियां)। अडानी समूह के लिए यह साल अब तक विवादों से भरा रहा है। एक विवाद शांत होता नहीं है, उससे पहले ही दूसरा खुला हो जाता है। आस बात यह है कि अडानी समूह से जुड़ा कोई विवाद हो, तुरंत राजनीतिक रंग ले लेता है। जाता मामला है अडानी समूह की नई प्रस्तावित डील का। अडानी समूह महीनों के अंतराल के बाद धूली डील करने जा रहा है, लेकिन यह पहले ही जारीनीतिक आरोपों-प्रत्यारोपों का शिकाय होने लगा गया है।

अडानी एंटरप्राइजेज ने दी थी जानकारी

अडानी समूह की यह डील है अनलाइन ट्रेन टिकट बुकिंग प्लेटफॉर्म ट्रेनमैन के अधिग्रहण की। गौतम अडानी की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज ने इस डील के बारे में पिछले सप्ताह कंट्रोल विवाद



एंटरप्राइजेज अनलाइन ट्रेन टिकट बुकिंग प्लेटफॉर्म ट्रेनमैन का संचालन करती है। हालांकि अभी इस डील की वैल्यू का खुलासा नहीं हुआ है।

शुरू हुआ यह राजनीतिक विवाद

इस डील के बाद विवाद शुरू हो गया है कि इससे अडानी को फायदा होगा, जबकि सकारी हिस्सेदारी बाती कंपनी आईआरसीटीसी को बाया होगा। मार्डिया के एक धड़े में इस तरह से खंबों चला दी गई कि अडानी की इस डील से आईआरसीटीसी को एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड की 100 फीसदी इक्विटी का अधिग्रहण करेगी। स्टार्क

दल कंप्रेस भी यह आरोप लगाने लग गई कि आईआरसीटीसी को नुकसान पहुंचाकर अडानी को फायदा दिया जा रहा है।

दो आईआईटीयन ने बनाई कंपनी

आइए जानते हैं कि इस पूरे मापदंश की हक्की वाता दें कि स्टार्क एंटरप्राइजेज गुरुभायम बेस्ट एक स्टार्टअप है, जिसकी स्थापना आईआईटी रुड़की के नियत नियामिया और करण कुमार ने मिलकर की थी। यह कंपनी ट्रेनमैन नामक प्लेटफॉर्म का संचालन करती है, जो ट्रेन टिकट बुकिंग के मामले में आईआरसीटीसी का बदबदा है। ट्रेनमैन हो या पेट्रीएम या तामाम अन्य प्राइवेट प्लेटफॉर्म, सभी आईआरसीटीसी से ऑथराइजेशन लेकर अनलाइन ट्रेन टिकट बुकिंग करने की सुविधा देते हैं।

आईआरसीटीसी पर नहीं होगा असर

इसका मतलब हुआ कि आप टिकट सीधे आईआरसीटीसी की साइट से बुक करे या किसी अन्य प्लेटफॉर्म से, आईआरसीटीसी को उसका तार्ज नहीं पड़ता है। यह कंपनी एक स्टार्टअप है, जिसकी स्थापना आईआईटी रुड़की के नियत नियामिया और करण कुमार ने मिलकर की थी। यह कंपनी ट्रेनमैन नामक प्लेटफॉर्म का संचालन करती है, जो ट्रेन टिकट बुकिंग के मामले में आईआरसीटीसी का बदबदा है। इससे साफ हो जाता है कि अडानी अडानी की इस डील से आईआरसीटीसी को एंटरप्राइजेज सर्विस के चलते आईआरसीटीसी को टक्कर मिलने की बात की जा रही है।

इस तरह से मिलती है बुकिंग

यहां इस तरह वी सर्विस की एक बुकिंग वात को समझ लेना जरूरी है। दरअसल भारत

चीन से हो गया मोहब्बंग और भारत पर उमड़ा इन विदेशी निवेशकों का प्यार

नई दिल्ली, 19 जून (एजेंसियां)। कोरोना महामरी के बाद चीन की आर्थिक वृद्धि दर प्रभावित हुई है, इसका असर चीन के शेयर बाजार पर भी हो रहा है और विदेशी निवेशकों का धीरे-धीरे मोहब्बंग हो रहा है। इससे भारत को साथ-फायदा हो रहा है और लगातार विदेशी निवेश में बढ़ोत्तर देखी जा रही है।

हर रोज और असत्तन इतनी खरीदारी

इंडिगो की एक रिपोर्ट की माने तो चाल विवरण में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने अब तक 9 बिलियन डॉलर से ज्यादा का निवेश किया है। रिपोर्ट के अनुसार, विदेशी निवेशक इस विवरण में अब तक भारतीय शेयरों के सबसे बड़े खरीदार बनकर उपरे हैं। उन्होंने इस दौरान और असत्तन करीब 1,400 करोड़ रुपये की खरीदारी की है।

मीलों पीछे छू गा घरेलू निवेशक

एनएसडीएल के ओंकड़े बताते हैं कि विवरण में विदेशी निवेशकों की माने तो चाल विवरण में बढ़ोत्तर देखी जा रही है।



वर्ष 2023-24 के अब तक के कुल 51 कारोबारी दिनों में सिर्फ 8 ही दिन ऐसे रहे हैं, जब विदेशी निवेशक शुद्ध विकाल रहे हैं। भारतीय करेंसी में इन 51 दिनों में एकपीटी आई करीब 72 हजार करोड़ रुपये की खरीदारी की है। इस तरह से तरह और शेयरों के सबसे बड़े खरीदार बनकर उपरे हैं। उन्होंने इस दौरान और असत्तन करीब 1,400 करोड़ रुपये की खरीदारी की है।

चीन के नुकसान में भारत का फायदा

भारतीय शेयर बाजार आपी रिकॉर्ड हाइ लेवल के पास कारोबार कर रहे हैं। सोमवार के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स और एनएसडी निपटी दोनों नए उच्च स्तर का रिकॉर्ड बनाने के करीब हैं। जन नियामी में निपटी में 8.5 फीसदी की रेली देखने को मिली है। कुल मिलाकर देखे तो ऐसा कहा जा सकता है कि चीन को नुकसान हो रहा है, उससे भारत को साथ-फायदा हो रहा है।

जापान और कोरिया को भी लाभ

विदेशी निवेशकों के इस बदले रुख से भारत के साथ-साथ जापान और दक्षिण कोरिया जैसे एशियाई बाजारों को भी फायदा हो रहा है। साथ ही बाजार ने करीब 72 हजार करोड़ रुपये की खरीदारी की है। साथ ही एंटरप्राइजेज ने करीब 30 फीसदी ऊपर गया है। इसी तरह दक्षिण कोरिया के कोर्सी में 2023 के दौरान अब तक 17.5 फीसदी की तेजी देखने को मिली है।

चीन के नुकसान में भारत का फायदा

मंगलवार, 20 जून, 2023

रघुराम राजन ने भारत के सुपरपावर कहलाने पर ऐसा क्या कह दिया कि सोशल मीडिया पर हो रही उनकी आलोचना?



नई दिल्ली, 19 जून (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन अपने एक बयान को लेकर सोशल मीडिया में नियामन पर आ गए हैं।

राजन ने भारत के

वित्त-वाणिज्य स्वतंत्र वार्ता, हैदराबाद

खतरे में नजर आ रही एलन मस्क की कुर्सी

अर्नल्ट फिर बन सकता है दुनिया का सबसे अमीर



परेस में मिले थे एलन मस्क और बर्नार्ड अर्नल्ट

दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क और दुसरे सबसे अमीर व्यक्ति बर्नार्ड अर्नल्ट ने पेरेस में एक लंबे दौलत के दौलत सुपरपावर है। उन्होंने एक बयान में नियामन पर आ गए हैं।

किनारी है एलन मस्क दौलत

दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क और दुसरे सबसे अमीर व्यक्ति बर्नार्ड अर्नल्ट ने पेरेस में एक लंबे दौलत के दौलत सुपरपावर है। उन्होंने एक बयान में नियामन पर आ गए हैं।

मुकेश अंबानी के पास किनी दौलत

एशिया और भारत के सबसे अमीर व्यक्ति बर्नार्ड अर्नल्ट की दौलत की दौलत है। एशिया के मुलाकात की थी। दूसरे के दौलत में नियामन सुपरपावर है। उन्होंने एक बयान में नियामन पर आ गए हैं।

मुकेश अंबानी के पास किनी दौलत

एशिया और भारत के सबसे अमीर व्यक्ति बर्नार्ड अर्नल्ट की दौलत है। एशिया के मुलाकात की थी। एशिया के मुलाकात की दौलत में नियामन सुपरपावर है। उन्होंने एक बयान में नियामन पर आ गए हैं।

मुकेश अंबानी के पास किनी दौलत

एशिया और भारत के सबसे अमीर व्यक्ति बर्नार्ड अर्नल्ट की दौलत है। एशिया के मुलाकात की थी। एशिया के मुलाकात की दौलत में नियामन सुपरपावर है। उन्होंने एक बयान में नियामन पर आ गए हैं।

मुकेश अंबानी के पास किनी दौलत

एशिया और भारत के सबसे अमीर व्यक्ति बर्नार्ड अर्नल्ट की दौलत है। एशिया के मुलाकात की थी। एशिया के मुलाकात की दौलत में नियामन सुपरपावर है। उन्होंने एक बयान में नियामन पर आ गए हैं।

मुकेश अंबानी के पास किनी दौलत

एशिया और भारत के सबसे अमीर व्यक्ति बर्नार्ड अर्नल्ट की दौलत है। एशिया के मुलाकात की थी। एशिया के मुलाकात की दौलत में नियामन सुपरपावर है। उन्होंने एक बयान में नियामन पर आ गए हैं।

मुकेश अंबानी के पास किनी दौलत

एशिया और भारत के सबसे अमीर व्यक्ति बर्नार्ड अर्नल्ट की दौलत है। एशिया के मुलाकात की थी। एशिया के मुलाकात की दौलत में नियामन सुपरपावर है। उन्होंने एक बयान में नियामन पर आ गए हैं।

मुकेश अंबानी के पास किनी दौलत

अमेरिकी सांसदों ने बांधे पीएम मोदी की तारीफों के पुल

वाशिंगटन, 19 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 जून को अमेरिकी की यात्रा पर जाने वाले हैं। इस यात्रा को लेकर दोनों देशों के नेता उत्साहित हैं। अमेरिकी सांसदों का मानना है कि पीएम मोदी की ये यात्रा द्विपक्षीय संबंधों में एक महत्वपूर्ण बिंदु है और दोनों देशों के एक साथ बढ़ने का प्रमुख प्रतीक है।

गोतरेल बहुत है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन व प्रथम महिला जिल बाइडन के निमंत्रण पर 21-24 जून तक अमेरिकी यात्रा पर रहेंगे। 22 जून को जारीकीय रात्रिमोहर में मोदी हिस्सा लेंगे। इस यात्रा में 22 जून को अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करना भी शामिल है।

दोनों देशों को गिलाकर काम करना जरूरी: टॉट यंग

रिपब्लिकन संसद टॉट यंग ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा अमेरिका और भारत के संबंधों में एक महत्वपूर्ण बिंदु है। उन्होंने दिल्ली की साल 2021 के नवंबर में की गई अपनी यात्रा



कहा- ये यात्रा दोनों देशों के एक साथ बढ़ने का प्रतीक

का प्रतिनिधित्व करने वाले यंग ने कहा कि दोनों देशों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अपनी सझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करना जारी रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि बहारत में आगे समकक्षों के साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं।

भारतीय जानते हैं अपनी समस्याएं: जॉन कॉर्निंग

सीनेट इंडिया कॉकस के सह-

-अध्यक्ष व रिपब्लिकन संसद जॉन कॉर्निंग ने इंडिया आइटिया के शिखर सम्मेलन में एक पैनल चर्चा में भाग लेते हुए आशा व्यवर्त की कि जारीकीय यात्रा से भारत-अमेरिका के पुनर्गठन में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि हमने इतिहास के बारे में बात की है। आप वास्तु नहीं जासकते हैं और इतिहास को दोबारा नहीं बना सकते हैं। लेकिन हम यह पहचान सकते हैं कि मौजूदा खतरे वास्तविक हैं।

उन्होंने दिल्ली की साल 2021

के नवंबर में की गई अपनी यात्रा

को याद करते हुए, कहा कि मैं भारत में एक वरिष्ठ अधिकारी के साथ दौरा कर रहा था। इस दौरान मैंने कहा कि हम चिंतित हैं कि पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाना (पीआरसी) ताइवान में क्या कर सकता है। इसपर भारतीय संसद ने कहा कि वाहा था कि हमें ताइवान से नहीं हो सकता है।

उन्होंने कहा कि इसलिए मुझे लगता है कि चीन के साथ चल रहे सीमा युद्ध को लेकर भारत की चिंताएं सही हैं। कॉर्निंग ने कहा कि उनका मानना है कि उन्हें

अपनी अर्थव्यवस्था को अधिक अमेरिकी निवेश के लिए खोला जा रहा है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की यह यात्रा हमारे एक साथ बढ़ाने का बहुत महत्वपूर्ण प्रतीक है। भारत अपनी रणनीतिक स्वतंत्रता बनाए रखना चाहता है और वे ऐसा करेंगे जिनके पास हमेशा से हैं। लेकिन मुझे लगता है कि यह एक सकारात्मक संकेत है।

चीन की सेना अधिक खतरनाक: वार्नर

वहीं, संसद मार्क वार्नर ने कहा कि भारतीय अधिकारियों ने उन्हें बताया है कि यूक्रेन पर आक्रमण करने वाले रूस के सैनिकों की तुलना में चीन के पास भारतीय सीमा पर अधिक खतरनाक सैनिक हैं। उन्होंने कहा कि यह ताइवान की समस्या है, यह चीन की समस्या है। भारतीय इसे पहचानते हैं।

मोदी की यात्रा के लिए उत्साहित-सिस्टमेटी

कांग्रेसी जूलान सिस्टमेटी ने

कहा कि मोदी की ऐतिहासिक

यात्रा को लेकर मैं एक पैनल

चर्चा में भाग लेते हुए आशा

व्यवर्त की तारीख यात्रा से

भारतीय अधिकारी के संयुक्त सत्र

को संबोधित करना भी शामिल

है। उन्होंने कहा कि यह चीन के

साथ बढ़ाने का प्रयत्न है।

उन्होंने कहा कि यह चीन के

साथ बढ़ाने का प्रयत्न है।

उन्होंने कहा कि यह चीन के

साथ बढ़ाने का प्रयत्न है।

उन्होंने कहा कि यह चीन के

साथ बढ़ाने का प्रयत्न है।

उन्होंने कहा कि यह चीन के

साथ बढ़ाने का प्रयत्न है।

उन्होंने कहा कि यह चीन के

साथ बढ़ाने का प्रयत्न है।

उन्होंने कहा कि यह चीन के

साथ बढ़ाने का प्रयत्न है।

उन्होंने कहा कि यह चीन के

साथ बढ़ाने का प्रयत्न है।

उन्होंने कहा कि यह चीन के

साथ बढ़ाने का प्रयत्न है।

उन्होंने कहा कि यह चीन के

साथ बढ़ाने का प्रयत्न है।

उन्होंने कहा कि यह चीन के

साथ बढ़ाने का प्रयत्न है।

उन्होंने कहा कि यह चीन के

साथ बढ़ाने का प्रयत्न है।

उन्होंने कहा कि यह चीन के

साथ बढ़ाने का प्रयत्न है।

उन्होंने कहा कि यह चीन के

साथ बढ़ाने का प्रयत्न है।

उन्होंने कहा कि यह चीन के

साथ बढ़ाने का प्रयत्न है।

उन्होंने कहा कि यह चीन के

साथ बढ़ाने का प्रयत्न है।

उन्होंने कहा कि यह चीन के

साथ बढ़ाने का प्रयत्न है।

उन्होंने कहा कि यह चीन के

साथ बढ़ाने का प्रयत्न है।

उन्होंने कहा कि यह चीन के

साथ बढ़ाने का प्रयत्न है।

उन्होंने कहा कि यह चीन के

साथ बढ़ाने का प्रयत्न है।

उन्होंने कहा कि यह चीन के

साथ बढ़ाने का प्रयत्न है।

उन्होंने कहा कि यह चीन के

साथ बढ़ाने का प्रयत्न है।

उन्होंने कहा कि यह चीन के

साथ बढ़ाने का प्रयत्न है।

उन्होंने कहा कि यह चीन के

साथ बढ़ाने का प्रयत्न है।

उन्होंने कहा कि यह चीन के

साथ बढ़ाने का प्रयत्न है।

उन्होंने कहा कि यह चीन के

साथ बढ़ाने का प्रयत्न है।

उन्होंने कहा कि यह चीन के

साथ बढ़ाने का प्रयत्न है।

उन्होंने कहा कि यह चीन के

साथ बढ़ाने का प्रयत्न है।

उन्होंने कहा कि यह चीन के

साथ बढ़ाने का प्रयत्न है।

उन्होंने कहा कि यह चीन के

साथ बढ़ाने का प्रयत्न है।

उन्होंने कहा कि यह चीन के

साथ बढ़ाने का प्रयत्न है।

उन्होंने कहा कि यह चीन के

साथ बढ़ाने का प्रयत्न है।

उन्होंने कहा कि यह चीन के

साथ बढ़ाने का प्रयत्न है।

उन्होंने कहा कि यह चीन के

साथ बढ़ाने का प्रयत्न है।

उन्होंने कहा कि यह चीन के

साथ बढ़ाने का प्रयत्न है।

उन्होंने कहा कि यह चीन के

साथ बढ़ाने का प्रयत्न है।

उन्होंने कहा कि यह चीन के

साथ बढ़ाने का प्रयत्न है।

हैदराबाद मेट्रो रेल का कंदुकुर तक होगा विस्तार : केसीआर

सीएम ने हरितहारम फेज-9 का किया

शुभारम्भ

सुधारने की ज़रूरत है। मिसिंग लिंक को एयरपोर्ट से जोड़ने के लिए 6000 करोड़ रुपए की लागत से टेंटर मांगे गए थे। उन्होंने कहा कि मैं बहुत जल्द इसे महेश्वर मिर्चाचन क्षेत्र में आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी उठाऊंगा। उन्होंने कहा कि एलबी नार-भेल के बीच मेट्रो रेल को निर्विधिटी बहुत ज़रूरी है।

हालांकि कोई एलबी नगर

छार तक बढ़ाया गया था, फिर भी

इसे बीएचईएल की दिस्त्रा में लागू किया जाना है और इस जल्द ही

करव कर लिया जाएगा। उन्होंने

मंत्री के अनुरोध पर विचार करते

हुए महेश्वर मिर्चाचन क्षेत्र के लिए

एक मेडिकल कालेज की भी

धृषणा की।

चंद्रशेखर राव ने कहा कि यह

तय करना उनके ऊपर होगा कि

विधानसभा क्षेत्र के कंदुकुर

तक बढ़ाया जाएगा।

मेट्रो रेल को कंदुकुर तक

विस्तारित करने के लिए शिक्षा

मंत्री पी. सुबित इंद्र रेड्डी द्वारा किए

गए। अनुरोध पर सकारात्मक

प्रतिक्रिया देने हुए, उन्होंने इसे एक

वास्तविक मांग करार दिया और

हैदराबाद मेट्रो रेल का शमशाबाद

वार्ता।

हवाई अड्डे तक विस्तार जल्द ही एक वास्तविकता होगी और इसे महेश्वर मिर्चाचन क्षेत्र के कंदुकुर तक बढ़ाया जाएगा।

मेट्रो रेल को कंदुकुर तक

विस्तारित करने के लिए शिक्षा

मंत्री पी. सुबित इंद्र रेड्डी द्वारा किए

गए। अनुरोध पर सकारात्मक

प्रतिक्रिया देने हुए, उन्होंने इसे एक

वास्तविक मांग करार दिया और

हैदराबाद मेट्रो रेल का शमशाबाद

वार्ता।

कहा कि यह तत्काल विचार के

याय होगा। मेट्रो रेल लाइन के

शुरुआती चरणों में शमशाबाद

हवाई अड्डे को शामिल करना

योजनाकारी से अपेक्षित न्यूतम

है।

लेकिन तक्तालीन शासकों द्वारा

जिस तरह से इसे छोड़ दिया गया

वह न्यायमयन नहीं है। यह एक

बड़ी भूल थी और इसे हर तरह से

कर्म नहीं है।

और इसका डाइवर वाल बीनर

बाल-बाल बच्चा। कई जगत् नई

सड़क पर रेत पहाड़ पड़े, तो सहित

ही बड़े पत्थर नज़र आए। इन सभी

से अलग मार्ग चलने वाले लोगों

को कड़ी मशक्त करनी पड़ रही

है। ऐसा के करीब मेट्रोल पंप के

समीप पूरी नई सड़क में

गिर्ही की सड़क छोड़ी गई है। आप

को बता दे इस मार्ग पर रोज़ लाखों

बांद नहीं देखने को मिला है। कहीं

पर सड़क किनारे गिरने वाली रेत

की कमी के कारण एक ट्रक फसा

है। रेविवार को बोधन-बासर-भेसा

मार्ग से सड़क निर्माण में कई

लापत्ती दी गई। जब इनके कोरेडों

की चौड़ा करने के लिए कर्मचारी

मंत्री दी गई। अब इनके कोरेडों

की चौड़ा हो जाएगी। अब यह

लापत्ती मौत को न्योता देने से

कर्म नहीं है।

पवन कल्याण पर मंत्री बोत्सा की टिप्पणी से विवाद

अमरावती, 19 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री बोत्सा सत्यनारायण ने जनसेना के सदस्यों पर गुंडे और बदमाश होने का आरोप लगाकर एक विवाद को जम्म दे दिया है। हायामा तब बढ़ गया जब उन्होंने कथित तौर पर पवन कल्याण पर इस तरह की गतिविधियों से संबंधित आपराधिक आरोपों का समान करने की संभावना का संकेत दिया। इन आरोपों के संबंध में मिडिया की पृष्ठात जो जवाब में बोत्सा सत्यनारायण ने अपने खिलाफ लगाए गए विसी भी आरोप का द्रुताने से छंडन किया, अपने बोत्सा ही को बनाए रखते हुए कहा कि मेरे राजनीतिक जीवन के इतिहास में मेरे खिलाफ कोई मामला नहीं है। जैसा कि उन्होंने अपने स्वयं के रिकॉर्ड का बचाव किया, बोत्सा सत्यनारायण ने अपने कल्याण पर उनके खिलाफ उंगार्दी के आपराधिक मामले हो सकते हैं।

पवन कल्याण पर मंत्री बोत्सा की टिप्पणी से विवाद

अमरावती, 19 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री बोत्सा सत्यनारायण ने जनसेना के सदस्यों पर गुंडे और बदमाश होने का आरोप लगाकर एक विवाद को जम्म दे दिया है। हायामा तब बढ़ गया जब उन्होंने कथित तौर पर पवन कल्याण पर इस तरह की गतिविधियों से संबंधित आपराधिक आरोपों का समान करने की संभावना का संकेत दिया। इन आरोपों के संबंध में मिडिया की पृष्ठात जो जवाब में बोत्सा सत्यनारायण ने अपने खिलाफ लगाए गए विसी भी आरोप का द्रुताने से छंडन किया, अपने बोत्सा ही को बनाए रखते हुए कहा कि मेरे राजनीतिक जीवन के इतिहास में मेरे खिलाफ कोई मामला नहीं है। जैसा कि उन्होंने अपने स्वयं के रिकॉर्ड का बचाव किया, बोत्सा सत्यनारायण ने अपने कल्याण पर उनके खिलाफ उंगार्दी के आपराधिक मामले हो सकते हैं।

पवन कल्याण पर मंत्री बोत्सा की टिप्पणी से विवाद

अमरावती, 19 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री बोत्सा सत्यनारायण ने जनसेना के सदस्यों पर गुंडे और बदमाश होने का आरोप लगाकर एक विवाद को जम्म दे दिया है। हायामा तब बढ़ गया जब उन्होंने कथित तौर पर पवन कल्याण पर इस तरह की गतिविधियों से संबंधित आपराधिक आरोपों का समान करने की संभावना का संकेत दिया। इन आरोपों के संबंध में मिडिया की पृष्ठात जो जवाब में बोत्सा सत्यनारायण ने अपने खिलाफ लगाए गए विसी भी आरोप का द्रुताने से छंडन किया, अपने बोत्सा ही को बनाए रखते हुए कहा कि मेरे राजनीतिक जीवन के इतिहास में मेरे खिलाफ कोई मामला नहीं है। जैसा कि उन्होंने अपने स्वयं के रिकॉर्ड का बचाव किया, बोत्सा सत्यनारायण ने अपने कल्याण पर उनके खिलाफ उंगार्दी के आपराधिक मामले हो सकते हैं।

पवन कल्याण पर मंत्री बोत्सा की टिप्पणी से विवाद

अमरावती, 19 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री बोत्सा सत्यनारायण ने जनसेना के सदस्यों पर गुंडे और बदमाश होने का आरोप लगाकर एक विवाद को जम्म दे दिया है। हायामा तब बढ़ गया जब उन्होंने कथित तौर पर पवन कल्याण पर इस तरह की गतिविधियों से संबंधित आपराधिक आरोपों का समान करने की संभावना का संकेत दिया। इन आरोपों के संबंध में मिडिया की पृष्ठात जो जवाब में बोत्सा सत्यनारायण ने अपने खिलाफ लगाए गए विसी भी आरोप का द्रुताने से छंडन किया, अपने बोत्सा ही को बनाए रखते हुए कहा कि मेरे राजनीतिक जीवन के इतिहास में मेरे खिलाफ कोई मामला नहीं है। जैसा कि उन्होंने अपने स्वयं के रिकॉर्ड का बचाव किया, बोत्सा सत्यनारायण ने अपने कल्याण पर उनके खिलाफ उंगार्दी के आपराधिक मामले हो सकते हैं।

पवन कल्याण पर मंत्री बोत्सा की टिप्पणी से विवाद

अमरावती, 19 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री बोत्सा सत्यनारायण ने जनसेना के सदस्यों पर गुंडे और बदमाश होने का आरोप लगाकर एक विवाद को जम्म दे दिया है। हायामा तब बढ़ गया जब उन्होंने कथित तौर पर पवन कल्याण पर इस तरह की गतिविधियों से संबंधित आपराधिक आरोपों का समान करने की संभावना का संकेत दिया। इन आरोपों के संबंध में मिडिया की पृष्ठात जो जवाब में बोत्सा सत्यनारायण ने अपने खिलाफ लगाए गए विसी भी आरोप का द्रुताने से छंडन किया, अपने बोत्सा ही को बनाए रखते हुए कहा कि मेरे राजनीतिक जीवन के इतिहास में मेरे खिलाफ कोई मामला नहीं है। जैसा कि उन्होंने अपने स्वयं के रिकॉर्ड का बचाव किया, बोत्सा सत्यनारायण ने अपने कल्याण पर उनके खिलाफ